दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

बुनियादी कार्य पत्र

सत्र 2020–21

कक्षाः आठवीं विषयः हिंदी

उपविषय : वर्ण –विचार और उच्चारण

<u>प्रस्तावना :–</u>

भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके और खंड नहीं हो सकते , वर्ण कहलाती है । हिंदी की लिपि ' देवनागरी ' की वर्णमाला में उच्चारण के आधार पर वर्णों के दो भेद हैं –

1. स्वर 2. व्यंजन

स्वर– जिन वर्णों का उच्चारण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना किया जाता है , वे स्वर कहलाते हैं । उदाहरण – अ , इ , उ आदि

स्वर के भेदः– उच्चारण के आधार पर हिंदी वर्णमाला में स्वर के तीन भेद होते हैं –

1. ह्रस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर 3. प्लुत स्वर

ह्रस्व स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में बहुत कम समय लगता है , वे ह्रस्व स्वर कहलाते हैं । उदाहरण – अ ,इ ,उ , ऋ

दीर्घ स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है , वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं । उदाहरण – आ , ई , ऊ , ए , ऐ , ओ , औ

प्लुत स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से तीन गुना समय लगता है , वे प्लुत स्वर कहलाते हैं । इसका चिह्न ऽ है , जिसका प्रयोग प्रायः पुकारने , ज़ोर से गाने या रोने के समय किया जाता है ।
उदाहरण – राऽम , ओऽम आदि

अनुस्वार(बिंदु) अनुस्वार एक व्यंजन ध्वनि है । इसका उच्चारण नाक से किया जाता है । इसका चिह्न शिरोरेखा के ऊपर बिंदु (ं) के रूप में लगाया जाता है । अनुस्वार का प्रयोग पंचम वर्ण (ङ् , ञ् , ण् , न् , म्)के स्थान पर किया जाता है । जैसे :– अंग , चंचल , ठंडा , दंत , संपादक आदि ।

अनुनासिक(चंद्रबिंदु) अनुनासिक का प्रयोग उच्चारण की उस अवस्था में होता है , जब हवा नाक तथा मुख दोनों के दबाव के साथ बाहर निकलती है । यह स्वतंत्र ध्वनि नहीं है । इसका प्रयोग स्वरों के साथ किया जाता है ।
इसका चिह्न शिरोरेखा के ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में लगाया जाता है । जैसे :–कहाँ , आँख , हँस , नदियाँ आदि ।

विसर्ग (:) इसका उच्चारण ' ह् ' की तरह किया जाता है तथा इसका प्रयोग केवल संस्कृत शब्दों में ही किया जाता है । जैसे :– अतः , प्रातः आदि ।

आगत ध्वनि (ॅ) ' ऑ ' अंग्रेज़ी से हिंदी भाषा में आ गया है । इसका प्रयोग अंग्रेज़ी शब्दों को हिंदी में लिखते समय किया जाता है । जैसे :–कॉफी , स्टाप ,टॉफी आदि ।

2. व्यंजन – जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है , वे व्यंजन कहलाते हैं । उदाहरण – क , च , म आदि

व्यंजन के भेद :– उच्चारण के आधार पर हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों के तीन भेद होते हैं –

1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन

स्पर्श व्यंजन– जिन व्यंजनों का उच्चारण कंठ , होंठ , जिह्वा आदि के स्पर्श द्वारा होता है , वे स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं ।

- इनके पाँच वर्ग हैं । प्रत्येक वर्ग में पाँच वर्ण होते हैं । हर वर्ग का नाम उसके प्रथम वर्ण के नाम पर रखा गया है ।
- वर्ग का अंतिम वर्ण पंचम वर्ण कहलाता है ।

कवर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
चवर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
टवर्ग	ट	ठ	ढ	ड	ण
तवर्ग	त	थ	द	ध	न
पवर्ग	प	फ	ब	भ	म

अंतःस्थ व्यंजन– जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जिह्वा पूरी तरह से मुख के किसी भाग को नहीं छूती , वे अंतःस्थ व्यंजन कहलाते हैं । इनका उच्चारण स्वर और व्यंजन के मध्य होता है । ये संख्या में चार होते हैं –
य , र , ल तथा व

ऊष्म व्यंजन – जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा के रगड़ के कारण मुख से ऊष्मा (गरमी) निकलती है , वे ऊष्म व्यंजन कहलाते हैं । ये संख्या में चार होते हैं –
श , ष , स तथा ह

- संयुक्त व्यंजन :– जब दो या दो से अधिक स्वर रहित व्यंजन आपस में मिलकर एक नया व्यंजन बनाते हैं , तब वे संयुक्त व्यंजन कहलाते है । ये संख्या में चार होते हैं – क्ष , त्र , ज्ञ तथा श्र

क् + ष् + अ = क्ष	कक्षा , रक्षा
त् + र् + अ = त्र	त्रिभुज , यंत्र
ज् + ञ् + अ = ज्ञ	विज्ञान , यज्ञ
श् + र् + अ = श्र	श्रीमान , श्रवण

- द्वित्व व्यंजन :– जब एक स्वर रहित व्यंजन का समान स्वर सहित व्यंजन से मेल होता हैं , तब वह द्वित्व व्यंजन कहलाते हैं ।
  जैसे :– क्क , च्च , ट्ट , म्म आदि
  धक्का , कच्चा , मिट्टी , धम्म , दिल्ली आदि
- संयुक्ताक्षर :– जब एक स्वर रहित व्यंजन का भिन्न स्वर सहित व्यंजन से मेल होता हैं , तब वे संयुक्ताक्षर कहलाते हैं ।
  जैसे :– म्ह , प्र , म्न , क्य , स्व आदि
  कुम्हार , प्रचार , क्यारी , पश्चिम आदि

संयुक्त व्यंजन में दो व्यंजनों के मेल से नया व्यंजन बनता है , किंतु संयुक्ताक्षर में दो व्यंजनों का मेल होता है , कोई नया व्यंजन नहीं बनता है।

- वर्ण– विच्छेद :– शब्द के वर्णों को अलग – अलग करना वर्ण– विच्छेद कहलाता है ।
- वर्ण– विच्छेद करते समय ध्यान रखें कि उच्चारण के समय वर्ण की ध्वनि जिस स्थान पर सुनाई पड़े , विच्छेद के समय उसे वहीं लिखें ।
- सभी व्यंजनों के नीचे हलंत (्) का प्रयोग करें (स्वरों के नीचे नहीं) ।

उदाहरण :–

1. रक्षक = र् + अ + क् + ष् + अ + क् + अ
2. ज्ञापन = ज् + ञ् + आ + प् + अ + न् + अ

हलसहित प्रश्नोत्तर

प्र01. दीर्घ स्वर कितने हैं ? नाम लिखिए ।

उ0. दीर्घ स्वर संख्या में सात हैं – आ , ई , ऊ , ए , ऐ , ओ , औ

प्र02. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार , अनुनासिक , विसर्ग तथा आगत ध्वनि का प्रयोग कीजिए –

1. अगीठी – अँगीठी
2. कलक – कलंक
3. स्टाप – स्टॉप
4. संभवत – संभवतः
5. वसत – वसंत

प्र03. किन्हीं दो अंतःस्थ व्यंजनों के नाम लिखते हुए दो – दो शब्द बनाएं ।

उ0. ल (लक्ष्मी , लोकोक्ति) , व (वसंतदूत , विपत्ति)

प्र04. कवर्ग तथा टवर्ग के व्यंजनों के नाम लिखिए –

कवर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
टवर्ग	ट	ठ	ढ	ड	ण

प्र05. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण– विच्छेद कीजिए –

1. अन्न = अ + न् + न् + अ
2. ट्रेन = ट् + र् + ए +न् + अ
3. अमर = अ + म् + अ + र् + अ
4. प्राण = प् + र् + आ + ण् + अ

प्र06. निम्नलिखित वर्णों का मेल कीजिए –

1. त् + ऋ + ष् + ण् + आ = तृष्णा
2. स् + अ + च् + च् + अ + र् + इ + त् + र् + अ = सच्चरित्र

अभ्यास कार्य पत्र

प्र01. स्पर्श व्यंजनों को कितने वर्गों में बाँटा गया है ? उनके नाम लिखिए ।

प्र02. वर्ग के अंतिम वर्ण को क्या कहते हैं और वे कौन – कौन से है ?

प्र03. किन्हीं दो अंतःस्थ व्यंजनों के नाम लिखिए ।

प्र04. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्त व्यंजन , द्वित्व व्यंजन और संयुक्ताक्षर के शब्दों को अलग – अलग करके लिखिए –

क्षत्रिय , संयुक्त , खट्टा , त्याग , श्रुतलेख , पक्का , विज्ञान , बच्चा , यंत्रिका , प्रत्यय

प्र05. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण– विच्छेद कीजिए –

1. वैज्ञानिक
2. त्रिशूल
3. साक्षर
4. क्षत्रिय
5. श्रवण

प्र06. ' श , ष , स तथा ह ' कौन से व्यंजन है ?

प्र07. तवर्ग तथा पवर्ग के व्यंजनों के नाम लिखिए ।

प्र08. ह्रस्व स्वर कितने हैं ? नाम लिखिए ।

प्र09. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार , अनुनासिक , विसर्ग तथा आगत ध्वनि का प्रयोग कीजिए –

कुआ , फ्राक , प्रात , अग्रेज़ी , चद्रमा , हस , चचल , गगा , सबध , डाक्टर , छ

प्र010. निम्नलिखित वर्णों का मेल कीजिए –

1. म् + इ + त् + र् + अ + त् + आ =
2. स् + प् + अ + र् + श् + अ =
3. क् + ए + र् + अ + ल् + अ =
4. ऑ + फ़् + इ + स् + अ =
5. प् + अं + थ् + अ =